Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Girls Child Day Celebration

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-01-2022**

'महिलाएं आज भी नहीं ले पातीं निर्णय'

हकेंविवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वेबिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

देश के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। ईरा सिंघल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणाम स्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव, आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक: कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date:** 25-01-2022

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण - प्रो. टंकेश्वर

नारनौल| भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार केंविवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें।

इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

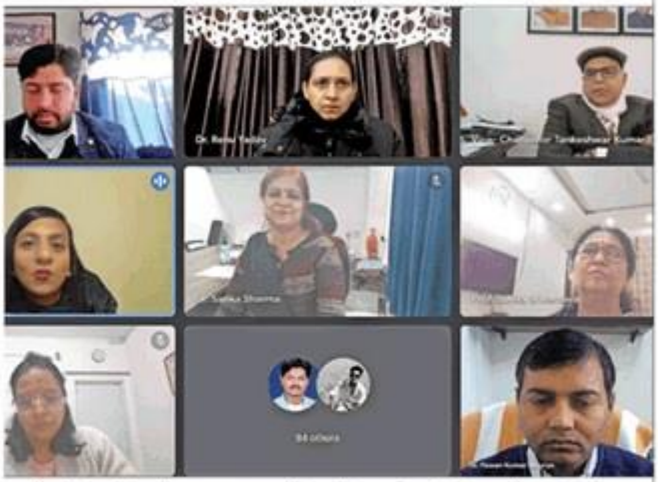

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं ओर से ऊपर वाले कालम में सबसे पहले) • सौ. हकेंविवि

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तीकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों और परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल और सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव और आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें। ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विवि की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्णः प्रो. टंकेश्वर

■ हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Motherland Voice **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

» **जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता**

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत, मोहन): भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय करवाया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

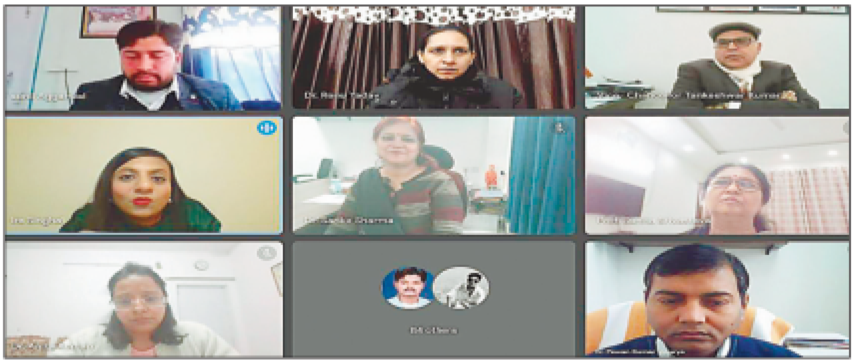

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।